

OCTOBER

20

294-071

43rd Week

THURSDAY

CC-7 of 2021 (H)

3rd Semester

Short Questions, Sanskrit (H).

2016

OCTOBER

S	M	T	W	T	F	S
30	31					
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

1. (i) आचार्य (महातिथिविवर्धितम्)

Date-08/02/2024

मानवधर्मशास्त्रम् इत्यस्य किं नाम?

Boalia

Ans: आचार्य (महातिथिविवर्धितम्) मानवधर्मशास्त्रम् इत्यस्य नाम अस्ति मनुस्मृतम् इति ।

(ii) कः एव मित्रश्रवाकारः? कश्च अनुमाधारीकृत इत्यं टीका तत्र विवर्धिता?

Ans: विष्णुनेम्बर उद्योतकः आसीत् मित्रश्रवाकारः ।

याज्ञवल्क्यसंहिताम् आधारीकृत तत्र इत्यं टीका विवर्धिता ।

(iii) मनुस्मृतौ किं दण्डकं धर्मलक्षणम्?

Ans: मनुस्मृतौ -

" धृतिः क्रमा दमोऽप्युग्रः शौचमिन्द्रियनिग्रहः ।

धीर्बुद्ध्या अतुल्यक्रोधो दण्डकं धर्मलक्षणम् ॥" (मनु-6/12)

P. 81

(iv) कौटिलीयार्थशास्त्रम् किं अनुविद्वान् कीदृशम्?

Ans: See - 2022 Q.N. (iii).

(v) वैदिकप्रभाजः का नाम अस्मिन्ति?

Ans: अम् - ई + क्रिन् → अस्मिन्ति । वैदिकप्रभाजः अतिर्जितः प्रज्ञासिद्धिः जनसंसाधन एव अस्मिन्ति कथा । अस्मिन्तिकर्ममासीत्

Important

जनसंनिधिनाम्, एकमत्रानुमादुन नृपस्य निर्वहणम् । जनानां मतप्रकाशनं अस्मिन्ना ज्ञेयम् ।

p. 659.

S	M	T	W	T	F	S
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30			

(vi) माण्डवक्यानुसाहेन धर्मस्य मूलं किम्?

Ans: माण्डवक्यानुसाहेन -

"अति: श्रुति: अदाचार: - अयं च प्रियमात्मनः।
अमृतं अकलङ्कः कामः धर्ममूलमिदं श्रुतम् ॥"
येन, धर्मशास्त्रम्, अदाचारः, ~~अयं~~ आत्मसाक्षात्कारः,
यथार्थअकलङ्कः कामः - एते नष्ट विद्याः
धर्मस्य मूलम् इत्यर्थः। P. 67.

(vii) 'अष्टाश्वत्थम्' इत्यत्र 'दण्ड' इति शब्दस्य कोऽर्थः?

Ans: 'अष्टाश्वत्थम्' इत्यत्र 'दण्ड' इति शब्दस्य
अर्थः हि अन्यबलम् इति। P. 745.

(viii) 'वानप्रस्थाश्रम' नद 'वानप्रस्थ' इति शब्दस्य
कोऽर्थः?

Ans: 'वानप्रस्थाश्रम' नद 'वानप्रस्थ' इति शब्दस्य
अर्थः वेदं वने अष्टान् वने गमनम्
इति। अस्याः तुला जनाः वने अष्टान्
कुर्वन्ति परमार्थलाभम्।

(ix) शक्तिः कतिविधा? उल्लेखनीयाः।

Ans: शक्तिः प्रकृति आकल्याणार्थं त्रिविधाः
शक्तयः प्रयोजनीयाः। ताः मया -
प्रकृतशक्तिः, मनुशक्तिः, उद्देशशक्तिः चेति।
P. 757.

(x) साङ्ख्ये 'आत्मनः' इति शब्दस्य कोऽर्थः?

Important

Ans: ~~आत्मनः~~ ^{आत्मा} प्रकृतस्य धर्मस्य अन्यस्य च दृष्ट्वा
शरीरं बुद्ध्यात्मनः उपाय एवमित्यत्र आत्मानं
अवस्थानं कुर्यात्। एतादृशम् अवस्थानम् एव

2016 OCTOBER						
S	M	T	W	T	F	S
30	31					
2	3	4	5	6	7	1
9	10	11	12	13	14	8
16	17	18	19	20	21	15
23	24	25	26	27	28	22
						29

আমর। পরিকল্পিতভাবে আমনীতি দেব প্রার্থনা।

(xi) ~~ব্রহ্মচর্য~~ ব্রহ্মচর্যশ্রমায় কৰ্তব্যানি কানি?

Ans: ব্রহ্মচর্যশ্রমায় কৰ্তব্যানি ~~অতি~~ অতি গুরুশ্রমসা, অংমঃ, হোমবিধিঃ, জীবনমাণসঃ, হোমাদি-শাস্ত্রাধ্যয়নঃ, অদাচাৰ্য্যাদিঃ, মজ্জার্থঃ, কাৰ্কাদিঅংগঃ, তিষ্ণাঅংগঃ, কদাচিৎ, ত্ৰৈলোক্যঃ।

P. 285-288-290.

(xii) এক নাম পাব্যসঃ?

ব্রাহ্মচর্য শ্রমায় তাম্রায়াং জাতঃ অস্ত্রমঃ পাব্যসঃ ইতি কথ্যতে।

P. 160.

(xiii) ব্যুৎপত্তিমাণে 'চূড়াকরনম' ইতি শব্দস্য অর্থ বিব্রিভম্।

Ans: চূড়ায়: করনম্ ইতি মস্তীঅমাঅম চূড়াকরনম্। ব্রহ্মচর্যেন 'অংকারতত্ত্ব' কথিতম্—

"কপুসিকা-কপুচ্ছলাখ্যাঃ কেলচূড়াঃ, তাসাং অংকারকরনম্ চূড়াকরনম্।" ইতি।

P. 252.

(xiv) কস্য শাসনকালে 'শা-হিৎসেন'-মহাজ্ঞান ভারতভূখণ্ডে জ্ঞানম আগতম্? তস্য বিব্রিভস্য প্রভৃৎ নাম কিম্?

Ans: শ্রুতযুগে: দ্বিতীয় চক্রে শ্রুত শাসনকালে 'শা-হিৎসেন'-মহাজ্ঞান ভারতভূখণ্ডে জ্ঞানম আগতম্। তস্য বিব্রিভস্য প্রভৃৎ নাম 'শা-কুমো-কিং' ইতি।

Important

(xv) কাস্মিন্মিলনালে অথমত্মা 'ভারতবর্ষ' ইতি শব্দস্য অর্থলোভো দৃশ্যতে?

Ans: কালিহর্যাকস্য আরবেনস্য হাতিশুম্ভাশিলানিষ্ঠাং 'ভারতবর্ষ' ইতি শব্দস্য অর্থমত্মা অর্থলোভো দৃশ্যতে।